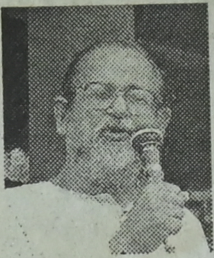
प्रभात खबर 11.11.06

कोडरमा उप चुनाव का संदेश



एके राय

धनबाद : कोडरमा लोकसभा उप चुनाव ने हर प्रकार की प्रतिष्ठित राजनीति को पराजित कर झारखंड के लिए एक नयी दिशा दी है. कोई पार्टी नहीं, संगठन नहीं, प्रभावित करने वाला कोई विशाल व्यक्तित्व नहीं और भारत के भूत, वर्तमान, भविष्य की राजनीति के सभी अभिभावक मैदान में हैं, लेकिन बहुत आसानी से सभी को पराजित कर एक प्रत्याशी ने बहुत ही विनम्रता के साथ जीतकर भारत की राजनीति विशेषकर झारखंड की राजनीति को एक नयी दिशा दी हैं. जो लोग जात, पांत, धर्म के विभिन्न समीकरणों पर राजनीति का आकलन करते हैं, कोई धन शक्ति या बाहुबली की बात करता है, मगर सभी हतवाक हैं. कोडरमा चुनाव के विशाल संदेश के हर पहलु को तुरंत निश्चित रूप से आंका नहीं जा सकता, लेकिन एक चीज स्पष्ट है कि भारत, विशेष कर झारखंड एक बदलाव की खोज में है, जिसकी संपूर्ण व्याख्या आज किसी के पास नहीं है. इस बदलाव को यदि सही दिशा देकर बाबूलाल मरांडी आगे बढ़ पाये तो सिर्फ झारखंड ही नहीं.पूरे भारत को एक नयी दिशा दे सकेंगे. कुछ विशेषता निश्चित है, जिसके लिए दक्षिण, वाम, मध्यम मार्गी नेता चिंतित तथा हतवाक हैं. भारत के जितने प्रकार के दल आज भूत, भविष्य, वर्तमान के स्वनिर्वाचित प्रतिनिधि बनकर बैठे हुए हैं, सभी मतदान में रहे. लेकिन सभी को इतनी विनम्रता से पराजित कर आज एक नया व्यक्तित्व उभर कर सामने आया है. इसके साथ नये बदलाव की जो संभावना सामने आयी है, इसे यदि सही रूप में इस्तेमाल किया जाये तो सिर्फ झारखंड का भविष्य ही नहीं,पूरे भारत में जो आज समाज को खंडित तथा प्रदूषित कर राजनीति की कालाबाजारी कर सत्ता में बैके हुए हैं या बैठने का विचार किये हुए हैं उनलोगों को ऐसा जवाब मिलेगा जिसके लिए वे तैयार नहीं थे. हर चीज की भविष्यवाणी तो संभव नहीं है और उचित भी नहीं, लेकिन एक बात स्पष्ट है कि समाज आज एक बुनियादी परिवर्तन खोज रहा है और एक नया चेहरा भी, जो बहुत दिनों के बाद मिला है. इस विशाल संभावना तथा समाज का किस रूप में कितना दूर तक इस्तेमाल हो पायेगा तथा नये झारखंड के निर्माण में कितनी दूर तक सहायक होगा, उस पर भविष्यवाणी आज संभव नहीं, लेकिन राजनीति का बाजार सजाकर जो लोग बैठे हुए हैं उनके लिए एक विशाल चुनौती है. सब चीज अभी कहना नहीं चाहिए और संभव भी नहीं, लेकिन उप चुनाव का कुछ संदेश तो स्पष्ट है. आज भी राजनीति में विचार बोल कर एक चीज है, जिसकी खोज आम जनता करती है जिसे धन शक्ति, बल शक्ति, भाषण शक्ति (विशेष कर अंग्रेजी में) प्रभावित नहीं कर पायी है. इसकी एक विशाल शक्ति है और यह शक्ति यदि समाज का सबसे उपेक्षित वर्ग पकड़ कर सामने आये तो उसे कोई नहीं रोक पायेगा. जितने बड़े-बड़े दिग्गजों को जितनी आसानी तथा विनम्रता से इस चुनाव ने धराशायी किया है, उसमें सभी नेता हतप्रभ हैं और बेआबरू भी, जबकि किसी को असम्मानित करने की कोशिश नहीं की गयी उस स्थिति में जब पूरी राजनीति आज दूसरे को असम्मानित करने की दिशा में तुली हुई है. इसका साफ मतलब है कि समाज में सिद्धांत तथा विचार बोल कर अभी भी कोई चीज है, जिसका सही इस्तेमाल कर झारखंड को एक नयी दिशा दी जा सकती है. बाबूलाल मरांडी एक आदिवासी हैं, जो जेनरल सीट पर जीते हैं और इसके पहले भी जीते थे. इसका मतलब पार्टी नहीं, विचार सर्वोपरि है. धर्म, जाति, धन, बल आदि तमाम हथकंडे, जिसको लेकर लोग चुनाव में उतरते हैं, उनमें एक चीज भी उनके साथ नहीं थी. इसका मतलब सिर्फ धर्मांधता नहीं, धर्मनिरपेक्ष विचार भी एक शक्ति है, जिसको लेकर लोग सार्वजनिक जीवन में उतर सकते हैं तथा विजयी भी हो सकते हैं. आज जब देश की एकता तथा अखंडता संकट में है, बाबूलाल मरांडी की यह जीत चरित्र तथा धर्मनिरपेक्ष शक्ति को पुनः पुनर्जीवित कर एक नये इतिहास की शुरुआत कर सकती है. अंत में एक व्यक्तिगत अनुभव का उल्लेख मैं करना चाहता हूं. बाबूलाल मरांडी से एक संयोग से परिचय हुआ था और वह भी एक दिन. धनबाद जिले के गोविंदपुर-टुंडी प्रखंड के बीच एक सुदूर आदिवासी गांव के बीच एक आश्रम में, जहां हम दोनों ही आमंत्रित थे. मेरे पहुंचने में देर होने के नाते बाबूलाल मरांडी अपना कार्यक्रम समाप्त कर लौट रहे थे. रास्ते में हमको देखकर वह वापस आये तथा मंच पर बैठकर उन्होंने पूरा वक्तव्य सुना. काफी दिन पहले की बात है, लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ था इस तरह के विचार जानने केलिए, इस प्रकार के आग्रह को लेकर और वह भी हमलोगों की तरह एक साधारण व्यक्ति से देश की प्रतिष्ठित राजनीति जानने के लिए वह लौट आये, जिन्हें बहुत दिन पहले ही खारिज कर दिया गया था. मैंने जब पूछा क्यों वापस आये,उन्होंने जवाब दिया था विचार जानने के लिए. कितने भी ऊपर वह जायें, मैं चाहूंगा इन विचारों की खोज वह जारी रखें. यही एक शक्ति है, जिसमें नया झारखंड बल्कि नया भारत भी बन सकता है. मैं बाबूलाल मरांडी को इस विशाल जीत के अंदर से जो चुनौती उन्होंने स्वीकार की है, उसको निभाने के लिए हर पग पर मदद करूंगा.